| प्रत्यय | type | for sake of | Content | इत् | Added to | To form | Example |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| णिच् | सनादि | causative<br>to make somebody do the action indicated by धातु | इ | ण् ,च् | धातु | धातु | कृ + णिच् = कारि<br>ज्ञा(toknow) + णिच् = (to make somebody know) ज्ञापि |
| सन् | सनादि | desiderative<br>to desire to do the action indicated by धातु | स | न् | धातु | धातु | ज्ञा(toknow) + सन् = (to desire to know) जिज्ञास |
| क्यच् | सनादि | to desire what is indicated by the noun | क्य | च् | नामधातु | धातु | (to desire a son) पुत्रीय |
| काम्यच् | सनादि | to desire what is indicated by the noun | काम्य | च् | नामधातु | धातु | (to desire a son) पुत्रकाम्य |
| क्यङ् | सनादि | | | | नामधातु | धातु | |
| क्विँप् | सनादि | | | | नामधातु | धातु | |
| क्यष् | सनादि | | | | नामधातु | धातु | |
| यङ् | सनादि | | | | नामधातु | धातु | |
| यङ् | सनादि | intensive<br>to do the action indicated by धातु frequently or intensively | य | ङ् | धातु | धातु | पा (to drink) + यङ् = पेपीय (to drink again and again)<br>गम् (to go) + यङ् = जङ्गम्य (to go frequently and intensively) |
| यक् | सनादि | | | | नामधातु | धातु | |
| आयः | सनादि | | | | धातु | धातु | |
| ईयङ् | सनादि | | | | धातु | धातु | |
| यत् | कृदन्त | that which (object) 'indicated by the<br>अच्-ending धातुs' | य | त् | धातु | प्रातिपदिक | ज्ञा (9P,to know) + यत् = ज्ञेय(that which should be known)<br>प्रतिपादि(to unfold) + यत् = प्रथिपाद्य(that which should be unfolded)<br>जिज्ञास (to desire to know)+यत्=जिज्ञास्य(that which should be desired to known) |
| क्यप् | कृदन्त | that which (object) should be 'indicated by the<br>specific-धातुs' | य | क् ,प् | धातु | प्रातिपदिक | स्तु (2P, to praise) + क्यप् = स्तुत्य (that which should be praised) |
| ण्यत् | कृदन्त | that which shoud be 'indicated by the<br>हल्-ending धातुs and ऋ-ending धातुs' | य | ण् ,त् | धातु | प्रातिपदिक | कृ (8U, to do) + ण्यत् = कार्य (that which should be done)<br>लिह् (2P, to lick) + ण्यत् = लेह्य (that which should be licked) |
| तव्यत् / तव्य | कृदन्त | object which has to | तव्य | | धातु | प्रातिपदिक | कृ (to do) + तव्य = कर्तव्य (an object which has to be done) |
| अनीयर् | कृदन्त | object which has to | अनीय | | धातु | प्रातिपदिक | कृ (to do) + अनीय = करणीय (an object which has to be done) |
| तृच् | कृदन्त | doer / agent<br>the agent of action indicated by the धातु | तृ | च् | धातु | प्रातिपदिक | कृ (to do) + तृच् = कर्तृ (the doer, agent of doing) |
| ण्वुल् | कृदन्त | doer / agent<br>the agent of action indicated by the धातु | वु<br>(अक्) | ण् , ल् | धातु | प्रातिपदिक | कृ + ण्वुल् = कारक (doer, one who does, agent of doing) |
| क्विँप् | कृदन्त | doer / agent<br>the agent of action indicated by the धातु | - | क् ,प्, इँ | धातु | प्रातिपदिक | कृ + क्विँप् = कृत् (doer, one who does, agent of doing) |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्त | कृदन्त | निष्ठा,<br>agent in the past | त | क् | धातु | प्रातिपदिक | कृ (to do) + क्त = कृत (that which is done)<br>ज्ञा (to know) + क्त = ज्ञात (that which is known)<br>पठ् + क्त = पठित; (that which has been studied)<br>अद् + क्त = अन्न; (that which has been eaten)<br>गम् + क्त = गत; (that which has been reached)<br>मुच् + क्त = मुक्त; (that which has been released)<br>इष् + क्त = इष्ट; / लभ + क्त = लब्ध; / वच् + क्त = उक्त ;<br>दर्शि + क्त = दर्शित / ईप्स + क्त = ईप्सित |
| क्तवतुँ | कृदन्त | निष्ठा,<br>agent in the past | तवत् | क् , उँ | धातु | प्रातिपदिक | कृ + क्तवतुँ = कृतवत् (doer in past, one who has done)<br>पठ् + क्तवतुँ = पठितवत् (one who has studied)<br>गम् + क्तवतुँ = गतवत् (one who has gone)<br>वच् + क्तवतुँ = उक्तवत् (one who has said)<br>लभ् + क्तवतुँ = लब्धवत् (one who has gained) |
| शतृ | कृदन्त | agent in the present<br>(substitutions for लट् / लृट् ) | अत् | श् , ऋँ | धातु | प्रातिपदिक | कृ + शतृ = कुर्वत् (doer in present, one who is doing)<br>[कर्तरि,लट्] दृश् (P)+ शतृ = पश्यत् (an agent who is seeing)<br>[कर्तरि, लृट्] वच् (P)+शानच् = वक्ष्यत् (the object which will be told) |
| शानच् | कृदन्त | agent in the present<br>(substitutions for लट् / लृट् ) | आन | श् , च् | धातु | प्रातिपदिक | कृ + शानच् = कुर्वाण (doer in present, one who is doing)<br>[कर्तरि,लट्] लभ् (A)+ शानच् = लभमान (an agent who is obtaining)<br>[कर्मणि,लट्] दृश् (P)+ शानच् = दृश्यमान (the object which is being seen)<br>[कर्मणि,लट्] लभ् (A)+शानच् = लभ्यमान (the object which is being obtained)<br>[कर्मणि, लृट्] वच् (P)+शानच् = वक्ष्यमाण (the object which will be told) |
| वसुँ | कृदन्त | Optional substitution for शतृ<br>[when the धातु is विद् (2P)] | वस् | उँ | विद् धातु | प्रातिपदिक | विद् + शतृ = विद् + वस् = विद्वस् (the one who is knowing) |
| ल्युट् | कृदन्त | भाव (action itself; eg. Sleeping is a good remedy),<br>करण (instrument of action of धातु)<br>अधिकरण (locus of action of धातु)<br>Mostly used for neuter gender | यु | ल् , ट् | धातु | प्रातिपदिक | आस् (2A) to sit + ल्युट् = आसन (seat);<br>उप + आस् + ल्युट् = उपासन (sitting near)<br>अधि + इ(ङ्) (2A) to study + ल्युट् = अध्ययन (study)<br>प्र + मा (2P) + ल्युट् = प्रमाण (means of knowledge) |
| घञ् | कृदन्त | भाव (action itself),<br>अकर्तरि कारके ( any कारकs other than कर्ता)<br>the object of the action indicated by धातु<br>Used for masculine gender | अ | घ् , ञ् | धातु | प्रातिपदिक | रम् + घञ् = राम<br>त्यज् + घञ् = त्याग<br>युज् + घञ् = योग<br>अधि + अस् + घञ् = अध्यास |

| क्तिन् | कृदन्त | भाव (action itself),<br>अकर्तरि कारके ( any कारकs other than कर्ता)<br>Used for feminine gender | ति | क् , न् | धातु | प्रातिपदिक | शाक् (5P) to be able + क्तिन् = शक्ति (ability)<br>भज् (7U) to worship + क्तिन् = भक्ति (worship)<br>बुध् (1P) to know+ क्तिन् = बुद्धि (intellect, thought) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्त्वा | कृदन्त | agent of the previous action, when two actions done by the same agent | त्वा | क् | धातु | प्रातिपदिक | कृ + क्त्वा = कृत्वा (having done/ after doing)<br>ज्ञा + क्त्वा = ज्ञात्वा<br>पठ् + क्त्वा = पठित्वा |
| ल्यप् | कृदन्त | substitute for क्त्वा, when धातु comes along with उपसर्ग | य | ल् , प् | धातु | प्रातिपदिक | वि + कृ + ल्यप् = विकृत्य (having modified / after modifying)<br>अनु + भू + ल्यप् = अनुभूय (having experienced) |
| तुमुँन् | कृदन्त | denotes the action itself to make an infinitive form of the धातु | तुम् | उँ, न् | धातु | प्रातिपदिक | श्रु (1U) to hear + तुमुँन् = श्रोतुम् (to hear)<br>मुच् + तुमुँन् = मोक्तुम्<br>हन् + तुमुँन् = हन्तुम् |
| अण् / अञ् | तद्धित | अपत्यार्थ, descendant of a father | अ | ण् / ञ् | सुबन्त | प्रातिपदिक | भरत + ङस् + अञ् = भारत<br>पाण्डु+ ङस् + अञ् = पाण्डव<br>भरद्वाज + ङस् + अञ् =भारद्वाज |
| इञ् | तद्धित | अपत्यार्थ , descendant of a father | इ | ञ् | सुबन्त | प्रातिपदिक | दशरथ + ङस् + इञ् =दाशरथि |
| ढक् | तद्धित | अपत्यार्थ , descendant of mother | एय | क् | सुबन्त | प्रातिपदिक | अञ्जना + ङस् + एय =आञ्जनेय |
| फक् | तद्धित | अपत्यार्थ, descendant in that lineage | आयन<br>आयनि | | सुबन्त | प्रातिपदिक | दक्ष + ङस् + आयन = दाक्षायण<br>द्रोण + ङस् + आयनि = द्रोणायनि |
| ईय | तद्धित | अपत्यार्थ descendant of relatives(other than mother/father) | ईय | | सुबन्त | प्रातिपदिक | स्वस्र + ङस् + ईय = स्वस्रीय |
| मतुप् | तद्धित | मत्वर्थ , A person or a thing which has<br>(i) Abundance धनवान् (ii) Praise अचार्यवान्<br>(iii) Exceeding बलवान् or (iv) Connection छत्री | मत् | उँ , प् | सुबन्त | प्रातिपदिक | श्री + सुँ + मत् = श्रीमत्<br>भग + सुँ + वत् = भगवत् |
| इनि | तद्धित | मत्वर्थ | इन् | इँ | सुबन्त | प्रातिपदिक | योग + सुँ + इन् = योगिन् |
| विनि | तद्धित | मत्वर्थ | विन् | इँ | सुबन्त | प्रातिपदिक | मनस् + विन् = मनस्विन् |
| अच् | तद्धित | मत्वर्थ | अ | च् | सुबन्त | प्रातिपदिक | योग + सुँ + अच् = योग |
| त्व / त्वम् | तद्धित | भावार्थ ,the status of …, or ….ness, for पु. लि | त्व | - | सुबन्त | प्रातिपदिक | घट + ङस् + त्व = घटत्व |
| तल् | तद्धित | भावार्थ ,the status of …, or ….ness, for स्त्री लि | त | ल् | सुबन्त | प्रातिपदिक | घट + ङस् + ता = घटता |
| ष्यञ् | तद्धित | भावार्थ ,the status of …, or ….ness | य | ष् , ञ् | सुबन्त | प्रातिपदिक | एक + ङस् + य = ऐक्य |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| तसिँल् | तद्धित | पञ्चम्यर्थे , in the sense of 5th case | तस् | इँ , ल् | सुबन्त | प्रातिपदिक | किम् + ङसिँ + तसिल् = कुतः<br>तद् + + ङसिँ + तसिल् = ततः<br>यद् + ङसिँ + तसिल् = यतः<br>इदम् + ङसिँ + तसिल् = इतः |
| त्रल् / दा / र्हि | तद्धित | सप्तम्यर्थे , in the sense of 7th case | त्र<br>दा<br>र्हि | ल् | सुबन्त | प्रातिपदिक | किम् + + त्रल् = कुत्र<br>किम् + + दा = कदा<br>तद् + + र्हि = तर्हि |
| थाल् / थमुँ | तद्धित | प्राकारवचने ; in… manner | था<br>यम् | ल्<br>उँ | सुबन्त | प्रातिपदिक | सर्व (all) + + थाल् = सर्वथा (in every manner)<br>किम् (what) + + थमुँ = कथम् (in what manner, how) |
| तरप् | तद्धित | अतिशायने, in the sense of superiority | तर | प् | सुबन्त | प्रातिपदिक | स्थूल + तर = स्थूलतर |
| तमप् | तद्धित | अतिशायने, in the sense of superiority | तम | प् | सुबन्त | प्रातिपदिक | स्थूल + तम = स्थूलतम |
| ईयसुँन् | तद्धित | अतिशायने, in the sense of superiority | ईयस् | उँ, न् | सुबन्त | प्रातिपदिक | लघु + ईयस् = लघीयस् |
| इष्ठन् | तद्धित | अतिशायने, in the sense of superiority | इष्ठ | न् | सुबन्त | प्रातिपदिक | लघु + इष्ठ = लघिष्ठ |
| अण् | तद्धित | सम्बन्धार्थकाः | | | सुबन्त | प्रातिपदिक | महेश्वर + अण् = माहेश्वरम् / इन्द्र + अण् = ऐन्द्रम्<br>चन्द्र + अण् = चान्द्रम् / शङ्कर + अण् = शाङ्करम् |
| तदीयम् | तद्धित | सम्बन्धार्थकाः, that belongs to | ईय / छ | | सुबन्त | प्रातिपदिक | मदीयम् / भवदीयम् / स्वकीयम् / परकीयम् |
| कप् | तद्धित | कृत्सितार्थकाः (Diminutives), scaling down of the quality | क | प् | सुबन्त | प्रातिपदिक | अश्वः+कप् = अश्वकः / बालः+ कप् = बालकः |
| कुप् | तद्धित | कृत्सितार्थकाः (Diminutives), scaling down of the quality | कु | प् | सुबन्त | प्रातिपदिक | बालः + कुप् = कुबालः |
| त्यक् | तद्धित | तत्र-भवर्थकाः , from the direction of | त्य | क् | सुबन्त | प्रातिपदिक | पाश्चात्यः / दक्षिणत्यः / उदीच्यः / प्राच्यः / प्रूर्वीयः |
| ठक् | तद्धित | तत्र-भवर्थकाः , Opinion | | | सुबन्त | प्रातिपदिक | आस्तिकः / नास्तिकः |
| अण् | तद्धित | स्वार्थिकाः, Just as of | | | सुबन्त | प्रातिपदिक | सैकतम् / औषधम् / मानसम् / बान्धवः / प्राज्ञः / राक्षसः |